3.2 Innovation Ecosystem

3.2.1 Institution has created an ecosystem for innovations including incubation centre and other initiatives for creation and transfer of knowledge

Response:

Ecosystem for innovations:

Institute is having common Research Cell. The Research Cell comprises of faculty members from various departments of the institute. This committee oversees the smooth and efficient coordination of research and development activities in the institute, thus fostering overall growth.

In addition to it the institute has also developed Knowledge Center which is acting as a basic incubation and learning center for students.

Aims and Objectives of Research Cell

Following Aims and Objectives have been set by the institute for itself with regard to Research based activities.

Aim

- To conduct Annual Research seminar to review the progress of research work undertaken and share the problems faced to be resolved
- To inculcate the spirit and culture of research amongst faculty and students.
- To enhance interaction and cooperation between researchers for interdisciplinary and multidisciplinary work.
- To forge academic and research collaborations with national and international universities, government agencies and industries.
- To establish links with various R&D organizations and funding agencies for sponsored and contract research.
- To take up problems faced by the local industry and provide solutions to them.

Objectives

- To organize research promotion events like conferences, seminars, workshops, invited lectures, webinars.
- To motivate faculty for doctoral and post-doctoral research.
- To encourage faculty to undertake research projects in thrust areas in science and technology with funding from various national and international agencies.
- To promote research publications.

Entrepreneurship Development Cell:

For promoting An Entrepreneurial Mindset, the institution has an Entrepreneurship Development Cell, that encourages forging a relationship between the industry and the institution. The individual department interacts with the industry to ascertain its needs to fill the gap in the curriculum. The gap is filled by arranging workshops addressed by industry personnel. Industry institution relationship works in the following areas: Industrial visits for students and faculties. Field and site visits of students. Consultancy and sponsored projects. Faculty members regularly interact with the industry to understand functional challenges through applied research or student projects. Project conceived by the students is used as a case study in a few industries. Expert lectures by industry personnel for students. Conducting joint technical programs & events with industry. Startups and need-based workshops are also organized.

DST KOTA Visit

दैनिक भास्कर

कोटा 09-04-2022

कोटा, शनिवार, 09 अप्रैल, 2022 | 07

जेडीबी की छात्राओं ने विज्ञान केंद्र की विजिट की

कोटा | जेडीबी कॉलेज की छात्राओं ने डीसीएम रोड स्थित साइंस सेंटर की विजिट की। रसायन शास्त्र विभाग की स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं को विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू त्यागी रेनू त्यागी, सह आचार्य डॉ सरस्वती अग्रवाल, डॉ. आरती, डॉ. विजय देवड़ा तथा सहायक आचार्य डॉ. जागृति मीणा, प्रीति बैरवा के सानिध्य में विज्ञान केंद्र, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग कोटा में शैक्षणिक भ्रमण के लिए ले जाया गया।

कार्य नीति तथा साहित्य नकल विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

नवज्योति/कोटा

जानकी देवी बजाज राजकीय कन्या महाविद्यालय कोटा में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई । कार्यशाला का विषय स्ट्रैटेजिस फॉर इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड प्लेगेरिज्म रिस्क था। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनिता कोठारी द्वारा की गई। डॉ. अनिता कोठारी ने बताया कि यह कार्यशाला समाज के सभी वर्गों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी तथा इस जानकारी के माध्यम से शोधार्थी अपने कार्य को संरक्षित रख सकेंगे। साथ में देश विदेश में अपने कार्य का प्रकाशन कर एक नया मुकाम हासिल कर सकेंगे। कार्यशाला की समन्वयक डॉ, विजय देवड़ा ने शोध व अकादमिक कार्य में बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व को बताया। सहायक निदेशक कोटा परिक्षेत्र डॉ. रघुराज परिहार ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. भुवनेश शर्मा ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम के प्रथम प्रवक्ता प्रत्याशी सिद्धार्थ चौकसी नवाचार प्रबंधक डेलाइट कंपनी ने बौद्धिक संपदा के आधारभूत पहलू विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र की प्रवक्ता डॉ .गार्गी चक्रवर्ती, अध्यक्ष एवं समन्वयक आईपीआर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जोधपुर ने कॉपीराइट और साहित्य चोरी पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जागृति मीणा, डॉ. प्रीति बैरवा, डॉ. बंशीवाल तथा सहायक आचार्य अनीता मालव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. जयश्री ने सभी आमंत्रित अतिथि तथा प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

दैनिक भास्कर

कोटा 02-12-2021

जेडीबी साइंस कॉलेज मेंअनुसंधान क्रिया विधि पर 3 दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम हुआ

कोटा| जेडीबी साइंस कॉलेज कोटा व जयपुरिया इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट जयपुर के सहयोग से तीन दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन अनुसंधान क्रियाविधि विषय पर किया गया। प्रिंसिपल डॉ. अनिता कोठारी ने फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम द्वारा फेकल्टी के अकादमिक कॅरियर में महत्ता बताते हुए कहा कि इस प्रोग्राम द्वारा सभी संकाय सदस्य अनुसंधान से अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। कार्यक्रम संयोजिका एसोसिएट प्रो. विजय देवड़ा ने कार्यक्रम की रूपरेखा को बताकर स्वागत किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. स्वाति सोनी ने कार्यक्रम के उद्देश्य को स्पष्ट किया। कॉलेज शिक्षा के सहायक निदेशक डॉ. रघुराज परिहार ने अनुसंधान क्रियाविधि के महत्व के बारे में विस्तार से बताया।

दैनिक भास्कर

कोटा 08-04-2022

जेडीबी कॉलेज में वार्षिक शोध संगोष्ठी का आयोजन

कोटा | जेडीबी कॉलेज में शोध प्रकोष्ठ के तत्वाधान में वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रिंसिपल डॉ. अनिता कोठारी ने कहा कि यह संगोष्ठी शोधार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। जिसमें शोधार्थी अपने-अपने कार्य का प्रस्तुतीकरण कर जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. विजय देवड़ा ने वार्षिक संगोष्ठी के महत्व को बताते हुए कार्यक्रम तथा उद्देश्य के बारे में बताया।

छात्राएं कौशल आधारित कोर्स भी करें

कोटा @ पत्रिका. जेडीबी कन्या महाविद्यालय में नवाचार प्रकोष्ठ, युवा विकास केंद्र, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्वीप प्रकोष्ठ एवं खेल प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव ने छात्राओं से अकादमिक कोर्स के साथ-साथ कौशल आधारित कोर्स भी करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता नवाचार प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. पूनम जायसवाल ने छात्राओं की कौशल कार्यक्रमों से सम्बंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया। संचालन रासेयो प्रभारी डॉ. विकास जांगिड़ ने किया। अंत में डॉ. जाग्रति मीणा ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सह-आचार्या डॉ. फातिमा सुल्ताना, डॉ. अल्पना जौहरी, डॉ. सरस्वती अग्रवाल व सहायक आचार्य डॉ. जयश्री डावरे व डॉ. सरिता खंडेलवाल की भागीदारी रही।

Wildlife Census Training Program was organized by Deputy Conservator of Forests, WildlifeDivision, Kota, Rajasthan on 14 May 2022.

दैनिक भास्कर कोटा 15-05-2022

मुकंदरा में 65%, वन्यजीव में 58% और कार्यालय उपवन संरक्षक में 56 % पद रिक्त

पहली बार आज से बीट के अनुसार होगी वन्यजीव गणना, परेशानी ये कि 1 फॉरेस्ट गार्ड के पास 3 बीट

72 बटर पॉइंट पर होगी गणना, ट्रेनिंग दी

बेसिक कम्प्यूटर व सॉफ्टवेयर स्किल

नवाचार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

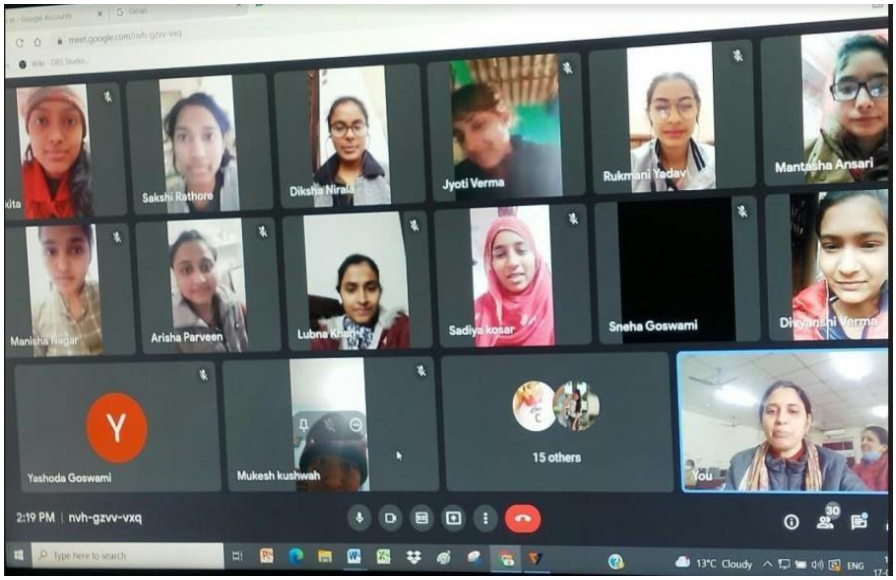

Waterhole Census Program participated by students of M Sc Zoology & Research Scholars, in Ramgarh, Bhainsrorgarh and Mukundra Hills Tiger Reserve, Kota, 19-24 May, 2022

रावतभाटा उपखंड की 4 रेंज में शुरू हुई वन्यजीव गणना

वाटर प्वॉइंट पर पानी पीने आए वन्यजीव दिखे

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

दिनभर गर्म हवा के थपेड़ों के बीच मुस्तैद दिखे वन कर्मी एवं स्वयंसेवक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

Students participated in the celebration of Hyaena Week organized by Wildlife Division, Kota, Rajasthan, on the occasion of Azaadi Ka Amrit Mahotsav, **'75 Weeks 75 Species 75 Zoos'**. **Dr. Fatima Sultana, Associate Professor, Janki Devi Bajaj Government Girls College, Kota,** delivered Expert Lecture, on **Occupancy and Status of *Hyaena hyaena*,** on **25 August 2021.**